लोक/राज्य सभा के पटल पर रखने के लिए

प्रमाणीकृत

इंद्रजीत सिंह/INDERJIT SINGH
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)/Minister of State (I/C)
सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय; योजना मंत्रालय
M/O Statistics & Programme Implementation; M/O Planning
राज्य मंत्री कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय/MOS M/O Corporate Affairs
भारत सरकार/Government of India
नई दिल्ली/New Delhi

राष्ट्रीय सांख्यिकीय आयोग (एनएससी) की वार्षिक रिपोर्ट 2021-22 की संस्तुतियों पर

कार्रवाई रिपोर्ट

वर्ष 2021-22 के लिए राष्ट्रीय सांख्यिकीय आयोग(एनएससी) की वार्षिक रिपोर्ट में निहित संस्तुतियों/टिप्पणियों/निर्णयों पर की गई कार्रवाई(एटीआर)

वार्षिक रिपोर्ट में संदर्भ पैरा सं.	संक्षिप्त में संस्तुतियां/टिप्पणियां/निर्णय	स्वीकृत किया गया या अस्वीकृत किया गया	यदि स्वीकृत किया गया तो की गई कार्रवाई और यदि अस्वीकृत किया गया तो इसके कारण
आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण(पीएलएफएस) 2019-20 के परिणामों पर जारी किये जाने से पूर्व प्रस्तुतिकरण			
2.4	डीडीजी, एनएसओ (एसडीआरडी) ने आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) 2019-20 के परिणामों को जारी किए जाने से पूर्व उन पर एक प्रस्तुति दी। आयोग ने भविष्य में जारी की जाने वाली सभी एनएसएस रिपोर्टों के संबंध में निर्णय लिया था कि रिपोर्टें संबंधित कार्य समूह/समिति के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी। तत्पश्चात रिपोर्ट का प्रतिरूप सभी एनएससी सदस्यों को पासवर्ड संरक्षित प्रारूप में परिचालित किया जाएगा। फिर एनएससी सदस्य 3 दिनों के भीतर टिप्पणी, यदि कोई हो, प्रदान करेंगे। यदि रिपोर्ट में किसी और संशोधन की आवश्यकता नहीं है, तो रिपोर्ट तुरंत जारी की जाएगी।	स्वीकृत	रिपोर्ट की प्रस्तुतियों को एनएसएस रिपोर्टों के प्रकाशन से पूर्व टिप्पणियों के लिए एनएससी सदस्यों को पासवर्ड संरक्षित प्रारूप में परिचालित किया जा रहा है।
व्यापक और बेहतर सामयिक श्रम बाजार डेटा, थाली सूचकांक और बीएनआई की आवश्यकता पर प्रस्तुति			
2.7	श्री पुलक घोष, सदस्य, एनएससी ने सुझाव दिया कि पीएलएफएस डेटा में देरी के कारणों का पता लगाने की आवश्यकता है।	स्वीकृत	(i) पीएलएफएस तिमाही बुलेटिन जारी करने में लगने वाले समय अंतराल को धीरे-धीरे घटाकर एक वर्ष के क्षेत्र कार्य के समापन से 6 महीने से कम करने का प्रयास किया गया है। तद्नुसार, जून, 2022 को समाप्त तिमाही से संबंधित अंतिम बुलेटिन क्षेत्र कार्य के समापन से दो माह के समय अंतराल के साथ अगस्त, 2022 में जारी किया गया था।
	वैकल्पिक डेटा स्रोत जैसे कि बैंक में वेतन खातों की संख्या या पेटीएम और गूगल पे जैसे निजी संगठनों की	अस्वीकृत	(ii) दिनांक 27.08.2021 को आयोजित बैठक में, उप-समिति ने वैकल्पिक डाटा स्रोतों के प्रस्ताव के मामले पर विचार किया। उप-समिति

वार्षिक रिपोर्ट में संदर्भ पैरा सं.	संक्षिप्त में संस्तुतियां/टिप्पणियां/निर्णय	स्वीकृत किया गया या अस्वीकृत किया गया	यदि स्वीकृत किया गया तो की गई कार्रवाई और यदि अस्वीकृत किया गया तो इसके कारण
	जानकारी का भी पता लगाया जा सकता है।		इस पर सहमत नहीं थी और उसका विचार था कि एनएसएस डाटा के आंतरिक उपभोक्ता इस प्रस्ताव पर विचार कर सकते हैं। तथापि, इस मामले पर एनएससी की 120वीं बैठक में दोबारा चर्चा की गई थी और आयोग का विचार था कि यह कार्य व्यवहार्य नहीं था।
2.8 – 2.10	डॉ जी सी मन्ना, सदस्य, एनएससी ने यह सुझाव भी दिया कि सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय को एक महीने के भीतर त्रैमासिक रिपोर्ट प्रकाशित करनी चाहिए और बाद में इसे वार्षिक रिपोर्ट में संशोधित किया जा सकता है। सचिव, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने कहा कि पीएलएफएस एक नया वार्षिक सर्वेक्षण है, और इसकी गुणवत्ता सामान्यत: अच्छी मानी जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वह अतिरिक्त श्रम बाजार संकेतक तैयार करने या मौजूदा संकेतकों की आवृत्ति बढ़ाने जैसी कोई नई गतिविधि शुरू करने के बजाय क्षेत्रीय कार्य के पूरा होने और तिमाही परिणाम जारी करने के बीच के समय के अंतराल को कम करने पर काम करे, और इस प्रक्रिया को मजबूत और स्थिर करे। अध्यक्ष, एनएससी ने सहमति व्यक्त की कि वर्तमान में सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय को अपने प्रयासों को पीएलएफएस परिणाम जारी करने में लगे अत्यधिक समय अंतराल को कम करने पर केंद्रित करने की आवश्यकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि सचिव, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय और	स्वीकृत	पीएलएफएस तिमाही बुलेटिन जारी करने में लगने वाले समय अंतराल को धीरे-धीरे घटाकर एक वर्ष के क्षेत्र कार्य के समापन से 6 महीने से कम करने का प्रयास किया गया है। तद्नुसार, जून, 2022 को समाप्त तिमाही से संबंधित अंतिम बुलेटिन क्षेत्र कार्य के समापन से दो माह के समय अंतराल के साथ अगस्त, 2022 में जारी किया गया था।

वार्षिक रिपोर्ट में संदर्भ पैरा सं.	संक्षिप्त में संस्तुतियां/टिप्पणियां/निर्णय	स्वीकृत किया गया या अस्वीकृत किया गया	यदि स्वीकृत किया गया तो की गई कार्रवाई और यदि अस्वीकृत किया गया तो इसके कारण
	महा निदेशक (राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण) को इस पहलू पर सुधार लाने के लिए प्रणाली की समीक्षा करनी चाहिए।		
पीएलएफएस डेटा समय पर जारी करने पर चर्चा			
2.12– 2.13	आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के समय अंतराल में कमी को उप महा निदेशक, एनएसओ (एसडीआरडी)) द्वारा आयोग के समक्ष प्रस्तुत किया गया था । प्रस्तुति के मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं: i. पीएलएफएस के परिणाम जारी करने में समय की देरी ii. समयबद्धता में सुधार के लिए उठाए गए कदम ➢ सर्वेक्षण प्रक्रिया में ऐसे चरणों की पहचान जिसके परिणामस्वरूप देरी हो रही है ➢ मानक संचालन प्रक्रियाओं की तैयारी (एसओपी) ➢ आउटसोर्स फील्ड स्टाफ को गहन प्रशिक्षण ➢ सीएपीआई के माध्यम से डेटा कैप्चरिंग ➢ पीएलएफएस परिणामों को जारी करना iii. एनएसओ अब डिजिटल प्रारूप में आकंड़ों के ऑनलाइन संग्रह और आकंड़ों का तेजी से सत्यापन और प्रसंस्करण की सुविधा के लिए एक एप्लिकेशन विकसित कर रहा है । एक पूर्ण विकसित स्थिर सीएपीआई-ई सिग्मा प्लेटफॉर्म विकसित किया जा रहा है। iv. नए सीएपीआई- ई सिग्मा डेटा संग्रह सॉफ़्टवेयर को क्षेत्र अधिकारियों द्वारा पहली विजिट Q1- पैनल III (जुलाई-	स्वीकृत	(i) डाटा कैप्चर करने के विभिन्न चरणों पर अन्तर्निहित डाटा वैधीकरण के साथ निहित सीएपीआई का प्रयोग करके पीएलएफएस डाटा कैप्चर किया जा रहा है। (ii) चरण-वार कार्यकलापों के साथ प्रत्याशित समय-सीमाओं को पीएलएफएस के साथ इस प्रकार से तैयार किया गया है कि समय अंतराल को धीरे-धीरे कम किया जा सकता है और तद्नुसार जून, 2022 को समाप्त तिमाही संबंधी अंतिम बुलेटिन क्षेत्र कार्य के समापन से दो माह के समयांतराल के साथ अगस्त, 2022 में जारी किया गया था। (iii) इस संबंध में, नियमित आधार पर चरण-वार कार्यकलापों की समय-सीमाओं की तैयारी और निगरानी के लिए एक परियोजना परिचालन टीम (पीओटी) का गठन किया गया है। (iv) डाटा पर्यवेक्षकों और क्षेत्रीय कर्मियों को भी निरंतर प्रशिक्षण किया जा रहा है।

वार्षिक रिपोर्ट में संदर्भ पैरा सं.	संक्षिप्त में संस्तुतियां/टिप्पणियां/निर्णय	स्वीकृत किया गया या अस्वीकृत किया गया	यदि स्वीकृत किया गया तो की गई कार्रवाई और यदि अस्वीकृत किया गया तो इसके कारण
	सितंबर 2021) का प्रचार करने के लिए 15 सितंबर 2021 से लाइव परीक्षण उपयोग के लिए रखा गया है । v. सीएपीआई में डेटा कैप्चरिंग के विभिन्न स्तरों पर अंतर्निर्मित डेटा सत्यापन यह सुनिश्चित करेगा कि पोस्ट-फील्ड कार्य डेटा क्लीनिंग का समय कम किया गया है । गहन विचार-विमर्श के बाद, सीएसआई और सचिव, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने प्रक्रिया के प्रत्येक चरण के लिए समय सीमा निर्धारित करने पर जोर दिया । आयोग ने नए प्लेटफॉर्म की चरण-वार अपेक्षित समय-सीमा की मांग की और एनएसओ (डीक्यूएडी) को नए प्लेटफॉर्म में देखी गई सभी गड़बड़ियों को संक्षेप में बताने और एनएससी के समक्ष प्रस्तुत करने की सलाह दी गई।		
श्रृंखला-आधार सूचकांकों के विकास के लिए उपभोग टोकरी पर सर्वेक्षण			
2.15	डीडीजी, एनएसओ (एसडीआरडी) ने श्रृंखला आधार सूचकांकों के विकास उपभोग टोकरी के संबंध में सर्वेक्षण पर एक प्रस्तुति दी । प्रस्तुति के मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं: i. घरेलू उपभोक्ता व्यय पर सर्वेक्षण का नाम बदलकर "श्रृंखला आधार सूचकांकों के विकास के लिए उपभोग टोकरी पर सर्वेक्षण" कर दिया गया । ii. एनएसएस के चालू सर्वेक्षणों में अपनाई जाने वाली प्रणालियों के अनुसार, सूचना एकत्र करने के लिए प्रश्नावली पद्धति अपनाने का प्रस्ताव है। iii. एनएससी की सिफारिशों के मद्देनजर इस बात की पुष्टि के साथ	स्वीकृत	(i) एनएससी की 123वीं बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुसार, घरेलू उपभोक्ता व्यय पर सर्वेक्षण का नाम बदलकर "घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण" (एचसीईएस) कर दिया गया है, जिसे सर्वेक्षण संबंधी सभी दस्तावेजों में शामिल किया गया है। (ii) घरेलू उपभोग व्यय के सर्वेक्षण उपकरण 2022-23 को एनएससी की सिफारिशों के अनुसार अंतिम रूप दिया गया है और इसे घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण के लिए गठित कार्य समूह तथा एनएससी द्वारा अनुमोदित किया गया था।

वार्षिक रिपोर्ट में संदर्भ पैरा सं.	संक्षिप्त में संस्तुतियां/टिप्पणियां/निर्णय	स्वीकृत किया गया या अस्वीकृत किया गया	यदि स्वीकृत किया गया तो की गई कार्रवाई और यदि अस्वीकृत किया गया तो इसके कारण
	कि उत्तरों को भरने के लिए लिया गया समय 45 मिनट से अधिक नहीं होना चाहिए, और उपयोगकर्ताओं की आवश्यकता को पूरा करने के लिए, भोजन और गैर -खाद्य की संपूर्ण टोकरी को तीन व्यापक समूहों विभाजित करने और अलग-अलग प्रश्नावलियों का प्रस्ताव किया गया था नामतः क. प्रश्नावली एफडीक्यू : खाद्य पदार्थ ख . प्रश्नावली सीएसक्यू : उपभोज्य और सेवाएँ मद ग. प्रश्नावली डीजीक्यू: टिकाऊ वस्तुएं iv. घरेलू विशेषताओं और जनसांख्यिकीय विवरण के बारे में जानकारी एकत्र करने के लिए नमूना परिवारों की एक और प्रश्नावली, एचसीक्यू तैयार की गई है। v. तीन प्रश्नावलियों का तीन अलग-अलग मासिक यात्राओं के माध्यम से चयनित परिवारों में यादृच्छिक रूप से प्रचार किया जाएगा । vi. प्रश्नावली एचसीक्यू की जानकारी केवल पहली यात्रा के दौरान ही एकत्र की जाएगी। हालांकि, परिवार के घटकों में परिवर्तन परिवार की बाद की यात्रा में दर्ज किया जाएगा । प्रश्नावली एचसीक्यू में, सब्सिडी, ऑनलाइन खरीद/भुगतान पर भी कुछ बुनियादी जानकारी एकत्रित की जाएगी।		

वार्षिक रिपोर्ट में संदर्भ पैरा सं.	संक्षिप्त में संस्तुतियां/टिप्पणियां/निर्णय	स्वीकृत किया गया या अस्वीकृत किया गया	यदि स्वीकृत किया गया तो की गई कार्रवाई और यदि अस्वीकृत किया गया तो इसके कारण
	vii. उपभोग में मौजूदा प्रवृत्ति को देखते हुए प्रश्नावलियों में कुछ नई मदें जोड़ी गई ।		
श्रृंखला- आधार सूचकांकों के विकास के लिए उपभोग टोकरी पर सर्वेक्षण का प्रारंभ			
2.19	एजेंडे पर चर्चा के दौरान , एनएससी के सदस्य डॉ जी सी मन्ना ने निम्नलिखित बिंदु उठाए: (क) पायलट के दौरान क्रमिक दौरों में क्षेत्रीय कार्य का फीडबैक और अनुवर्ती दौरों में डेटा प्रदान करने में असहयोग / मना करने के कारण आंशिक प्रतिक्रिया के मामले में घरेलू स्तर के डेटा को समायोजित करने के लिए मुख्य सर्वेक्षण में की जाने वाली कार्रवाई । (ख) प्रत्येक दौरे में प्रचार के समय को कम करने के लिए अनुसूची को 3 भागों और 3 दौरों में विभाजित करने की प्रस्तावित पद्धति के अलावा, प्रत्येक गांव / ब्लॉक में परिवारों के एक स्वतंत्र नमूने में पूरे कार्यक्रम का प्रचार किये बिना पहले के एनएसएस दौर के साथ डेटा की तुलना। (ग) एमपीसीई अनुमानों का उपयोग जब तक कि पूर्ण अनुसूची को भी परिवारों के एक स्वतंत्र नमूने में प्रचारित नहीं किया जाता है ताकि गरीबी के अनुमानों की अतीत के साथ तुलना की जा सके। (घ) सर्वेक्षण शुरू करने के संबंध में,	स्वीकृत	(i) दिनांक 25 जनवरी, 2022 को आयोजित एनएससी की 121वीं बैठक में उठाए गए मुद्दों पर एक स्टेटस नोट तैयार किया गया था, जिसे एनएससी के सभी सदस्यों के साथ साझा किया गया था। (ii) सर्वेक्षण हेतु प्रशिक्षकों के लिए अखिल भारतीय कार्यशाला (एआईडब्ल्यूओटी) दिनांक 18-19 मई, 2022 के दौरान आयोजित की गई है। सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में 20 से 30 जुलाई, 2022 के दौरान क्षेत्रीय कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने के लिए क्षेत्रीय प्रशिक्षण शिविर (आरटीसी) आयोजित किए गए। (iii) घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण के लिए कंप्यूटर सहायता प्राप्त व्यक्तिगत साक्षात्कार (सीएपीआई) सॉफ्टवेयर को सर्वेक्षण उपकरणों में किए गए सभी प्रावधानों को शामिल करते हुए संशोधित किया गया है और सर्वेक्षण अगस्त, 2022 के पहले सप्ताह में शुरू किया गया था।

वार्षिक रिपोर्ट में संदर्भ पैरा सं.	संक्षिप्त में संस्तुतियां/टिप्पणियां/निर्णय	स्वीकृत किया गया या अस्वीकृत किया गया	यदि स्वीकृत किया गया तो की गई कार्रवाई और यदि अस्वीकृत किया गया तो इसके कारण
	उन्होंने प्रस्ताव दिया कि सर्वेक्षण को अनिश्चित काल के लिए विलंबित नहीं किया जा सकता है, इस तथ्य को देखते हुए कि वायरस का प्रसार होगा और जैसा कि घरेलू उपभोग व्यय पर एनएसएस के पहले के दौर आमतौर पर जुलाई-जून से आयोजित किये जाते हैं, इसलिए जुलाई 2022 से इस सर्वेक्षण को शुरू करना समझदारी होगी।		
2.20– 2.24	डीजी, एनएसएस ने बताया कि पायलट के दौरान बताया कि, प्रत्येक 24 क्षेत्रीय कार्यालयों में, केवल कुछ ही घरों (2-3) का दौरा किया गया था, इसलिए घरों से इंकार का सामना नहीं किया गया था। यह भी देखा गया कि प्रचार का समय और प्रतिवादी का बोझ कम होता जा रहा था। नीति आयोग द्वारा शीर्ष गणना अनुपात के अभ्यास के संबंध में, यह सूचित किया गया था कि इसे वर्तमान में नहीं किया जा रहा है और नीति आयोग ने बहुआयामी गरीबी सूचकांक की गणना पर स्विच कर दिया है जिसके लिए एमपीसीई अनुमानों की आवश्यकता नहीं है। श्री अमिताभ कांत, सीईओ, नीति आयोग ने स्पष्ट किया कि शीर्ष गणना अनुपात पर स्विच करने पर कोई औपचारिक निर्णय नहीं लिया गया है और एसडीजी की उपलब्धि के हिस्से के रूप में यूएनडीपी के साथ बहुआयामी गरीबी सूचकांक पर अध्ययन किया जा रहा है। डीडीजी (एसडीआरडी) ने सूचित किया कि बाद के दौरों में लापता परिवारों के मुद्दे को कार्य समूह के सामने रखा गया था, यह सुझाव दिया गया था कि उन	स्वीकृत	एनएससी की 121वीं बैठक में उठाए गए विषयों पर एक स्थिति नोट तैयार किया गया था जिसे एनएससी के सभी सदस्यों के साथ साझा किया गया था।

वार्षिक रिपोर्ट में संदर्भ पैरा सं.	संक्षिप्त में संस्तुतियां/टिप्पणियां/निर्णय	स्वीकृत किया गया या अस्वीकृत किया गया	यदि स्वीकृत किया गया तो की गई कार्रवाई और यदि अस्वीकृत किया गया तो इसके कारण
	परिवारों की जानकारी के आधार पर जिन्होंने खाद्य गैर-खाद्य और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के लिए रिपोर्ट की थी, उन्हें तीन अलग-अलग घरों के सेट के रूप में माना जा सकता है। चूंकि राज्य स्तर के अनुमान तैयार किए जाएंगे, इसलिए इन 3 अलग-अलग सेटों पर विचार करते हुए, उन घरों से भोजन के लिए एमपीसीई की गणना, जिन्होंने भोजन की खपत की सूचना दी थी, इसी तरह, सेवाओं और उपभोग्य सामग्रियों के लिए एमपीसीई की गणना और टिकाऊ वस्तुओं पर सूचना देने वाले परिवारों के दूसरे समूह पर एमपीसीई की गणना की जा सकती है । इन तीनों आंकड़ों को सर्वेक्षण के आंकड़ों के आधार पर तय किए जाने के लिए उपयुक्त भार देकर जोड़ा जाएगा। इसके अलावा, इन परिवारों का प्रतिच्छेदन राज्य स्तर पर एमपीसीई की गणना के लिए प्रश्नावली का एक पूरा सेट देगा जो पिछले सर्वेक्षणों के साथ तुलना के मुद्दे को संबोधित करेगा जिसमें पूर्ण अनुसूची का प्रचार किया गया था। सचिव, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने सुझाव दिया कि सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अधिकारी चर्चा में चिह्नित मुद्दों पर एक स्थिति रिपोर्ट ला सकते हैं।		
2.26	विचार-विमर्श के बाद, आयोग ने जुलाई 2022-जून 2023 से चेन आधारित सूचकांक के विकास के लिए खपत बास्केट पर सर्वेक्षण के लिए क्षेत्र कार्य के शुभारम्भ की तिथि को मंजूरी दे दी, बशर्ते एनएसओ अधिकारी गरीबी अनुमानों के संकलन के लिए एमपीसीई / घरेलू उपभोक्ता व्यय पर प्रस्तावित सर्वेक्षण डेटा की उपयोगिता पर नीति आयोग के	स्वीकृत	(i) एनएससी की 121वीं बैठक में यथासंस्तुत गरीबी के अनुमानों के संकलन हेतु प्रस्तावित सर्वेक्षण आंकड़ों की उपयोगिता पर विचार विमर्श करने के लिए 1 जून, 2022 को नीति आयोग के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया था। (ii) तत्पश्चात, 7 जून, 2022 को

वार्षिक रिपोर्ट में संदर्भ पैरा सं.	संक्षिप्त में संस्तुतियां/टिप्पणियां/निर्णय	स्वीकृत किया गया या अस्वीकृत किया गया	यदि स्वीकृत किया गया तो की गई कार्रवाई और यदि अस्वीकृत किया गया तो इसके कारण
	संबंधित प्रभाग के साथ चर्चा करेंगे और उसके बाद जुलाई 2022 में सर्वेक्षण शुरू करने से पहले संशोधित कार्यप्रणाली को अनुमोदन के लिए एनएससी के समक्ष लाएंगे ।		आयोजित एनएससी की 124वीं बैठक में आयोग को गरीबी अनुमानों के संकलन हेतु प्रति व्यक्ति मासिक उपभोग व्यय (एमपीसीई)/घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (एचसीईएस) संबंधी प्रस्तावित सर्वेक्षण आंकड़ों की उपयोगिता के संबंध में नीति आयोग के साथ आयोजित बैठक के परिणामों के बारे में अवगत कराया गया था।
एनएसएस 79वें दौर की सर्वेक्षण योजना में मंत्रालयों के साथ विकास और चर्चाओं का मूल्यांकन और परिणामी संशोधन का सुझाव दिया गया			
2.29– 2.30	आयोग ने एनएसएस के 79वें दौर के घटनाक्रम पर ध्यान दिया और आगे बढ़ने का निर्देश दिया।. विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए, एनएससी ने चाहा कि सीएएमएस और आयुष पर 79वें दौर के सर्वेक्षण के लिए, पहले उप-दौर का डेटा एनएससी के समक्ष प्रस्तुत किया जाए।	स्वीकृत	एनएसएस का 79वां दौर 1 जूलाई, 2022 को सीएपीआई/ई सिग्मा प्लेटफार्म पर आरंभ किया गया है। व्यापक वार्षिक माड्यूलर सर्वेक्षण(सीएएमएस) और आयूष पर सर्वेक्षण के प्रथम उप दौर के आंकड़ों को प्रस्तुत करने की एनएससी की सिफारिश अनुपालन के लिए नोट की गई है।
एनएसएस के 79वें दौर के सीएएमएस और आयुष सर्वेक्षण के सर्वेक्षण उपकरणों पर चर्चा			
2.33	विचार-विमर्श के बाद, एनएससी द्वारा सीएएमएस और आयुष दोनों की अनुसूची को मंजूरी दे दी गई है । सीएएमएस अनुसूची के मद संख्या 8, ब्लॉक 3.2 के मामले में, डॉ जी सी मन्ना ने पाया कि इंटरनेट के गैर-नियमित उपयोग पर मामले के लिए संबंधित प्रश्न/कोड संरचना को संशोधित किया जा सकता है। यह निर्णय लिया गया कि डॉ. मन्ना के अवलोकन को समायोजित करने के लिए संबंधित प्रश्न/कोड संरचना को उपयुक्त रूप से संशोधित किया जाएगा।	स्वीकृत	'इन्टरनेट उपयोग की नियमितता' (मद 8, ब्लॉक 3.2) सम्बंधित विषय दिनांक 22/09/2021 को आयोजित कार्यसमूह (डब्ल्यू जी) की पांचवी बैठक में उठाया गया था और जैसाकि बैठक में निर्णय लिया गया था, प्रश्न के प्रारूप को अंतिम रूप देने के लिए संबंधित मंत्रालयों/एनएसओ के प्रभागों के साथ विचार विमर्श किया गया। तद्नुसार, कार्यसमूह की सहमति लेने के पश्चात प्रश्नावली में आवश्यक संशोधन किए गए हैं।
2.34	जैसा कि पूर्व-परीक्षण अध्ययन में पाया गया कि सीएएमएस अनुसूची का प्रचार समय अधिक है, एनएससी ने सीएएमएस	स्वीकृत	मामले को कार्य समूह(डब्ल्यू जी) की दिनांक 22.09.2021 को आयोजित

वार्षिक रिपोर्ट में संदर्भ पैरा सं.	संक्षिप्त में संस्तुतियां/टिप्पणियां/निर्णय	स्वीकृत किया गया या अस्वीकृत किया गया	यदि स्वीकृत किया गया तो की गई कार्रवाई और यदि अस्वीकृत किया गया तो इसके कारण
	को प्रचारित करने के लिए ब्लॉकों के यादृच्छिकरण को लागू करने की सिफारिश की ताकि प्रतिवादी थकान के किसी भी प्रतिकूल प्रभाव को कुछ हद तक कम किया जा सके।		बैठक में उठाया गया था और डब्ल्यू जी ने पाया कि सुझाव की, प्रचालन संबंधी विषय होने के कारण, एनएसओ(एनएसएस) के भीतर ही जांच की जाये। मामले पर विचार विमर्श किया गया और ब्लॉक के क्रम में बदलाव क्षेत्र में इसके सुगम प्रचार प्रसार को देखते हुए, सीएपीआई में शामिल किए गए हैं।
2.35	सीएएमएस और आयुष दोनों के लिए प्रतिदर्श डिजाइन एनएससी के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। डॉ जी सी मन्ना ने सीएएमएस और आयुष (सीएएमएस के लिए 1 वर्ष और आयुष के लिए 6 महीने) सर्वेक्षण के लिए अवधि के अंतर का कारण पूछा। उन्होंने कहा कि आयुष सर्वेक्षण के लिए सर्वेक्षण की अवधि को 6 महीने की प्रस्तावित अवधि से बढ़ाकर 12 महीने किया जा सकता है, ताकि विश्वसनीय राज्य स्तर के अनुमान प्राप्त करने के लिए पर्याप्त संख्या में नमूने लिए जा सकें। डीडीजी, एसडीआरडी ने बताया कि चूंकि आयुष सर्वेक्षण के लिए केवल अखिल भारतीय स्तर के अनुमान तैयार किए जाएंगे, इसलिए इस सर्वेक्षण के लिए 6 महीने की अवधि पर्याप्त होगी।	स्वीकृत	आयोग की सिफारिश पर, आयुष के सर्वेक्षण की अवधि 12 महीने तक बढ़ा दी गई है ।
2.36	अध्यक्ष, एनएससी ने सुझाव दिया कि डीजी, एनएसएस सचिव, आयुष से पुन: पुष्टि कर सकते हैं कि क्या उन्हें केवल अखिल भारतीय अनुमान या राज्य स्तर के अनुमानों की भी आवश्यकता है। यदि उन्हें दोनों अनुमानों की आवश्यकता है, और एनएसएस 75 दौर स्वास्थ्य सर्वेक्षण के परिणामों को ध्यान में रखते हुए कि केवल 5% आबादी आयुष का उपयोग कर रही है, तो आयुष सर्वेक्षण की अवधि को 6 महीने से बढ़ाकर 12 महीने करने की आवश्यकता हो सकती है।	स्वीकृत	आयोग की सिफारिश पर, आयुष के सर्वेक्षण की अवधि 12 महीने तक बढ़ा दी गई है ।

वार्षिक रिपोर्ट में संदर्भ पैरा सं.	संक्षिप्त में संस्तुतियां/टिप्पणियां/निर्णय	स्वीकृत किया गया या अस्वीकृत किया गया	यदि स्वीकृत किया गया तो की गई कार्रवाई और यदि अस्वीकृत किया गया तो इसके कारण
2.37	एनएसएस ने प्रस्तावित किया कि सीएएमएस में कोई दूसरा चरण स्तरीकरण नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि सर्वेक्षण का उद्देश्य कई संकेतक उत्पन्न करना है और एक संकेतक के आधार पर स्तरीकरण का उपयोग वांछनीय नहीं हो सकता है। हालांकि, डॉ. जी.सी. मन्ना और डॉ. पुलक घोष ने कहा कि चूंकि घरेलू स्तर पर अस्पताल में भर्ती होने का मामला एक दुर्लभ घटना है, इसलिए सीएएमएस में घरेलू स्तर पर अस्पताल में भर्ती होने के मामलों पर आधारित एक उपयुक्त द्वितीय चरण स्तरीकरण रणनीति अपनाई जा सकती है।	स्वीकृत	जैसा कि सुझाव दिया गया है, सीएएमएस के सैंपलिंग डिज़ाइन में द्वितीय चरण स्तर-विन्यास के लिए प्रावधान बना दिया गया है ।
2.38	अध्यक्ष, एनएससी ने पूछा कि क्या सर्वेक्षण के इस मोड़ पर सुझाया गया स्तरीकरण संभव है । डीजी, एनएसएस ने कहा कि सीएएमएस के लिए एसएसएस गठन जैसे परिवर्तनों को शामिल करना बहुत मुश्किल होगा क्योंकि सीएपीआई सॉफ्टवेयर का अधिकांश काम पूरा हो चुका है और इस स्तर पर सॉफ्टवेयर में बदलाव से सर्वेक्षण शुरू होने में देरी हो सकती है, साथ ही सर्वेक्षण पर अतिरिक्त बोझ पड़ने से परिणाम समय पर जारी होने में देरी हो सकती है। अध्यक्ष ने कहा कि एनएसएस सदस्यों द्वारा सुझाए गए अनुसार एनएसएस सीएएमएस में स्तरीकरण की संभावना की जांच कर सकता है।	स्वीकृत	जैसा कि सुझाव दिया गया है, सीएएमएस के सैंपलिंग डिज़ाइन में द्वितीय चरण स्तर-विन्यास के लिए प्रावधान बना दिया गया है और सीएएमएस के सीएपीआई में शामिल कर दिया गया है ।
एमएसएमई के लिए उपलब्ध क्रेडिट लिंक्ड सुविधाओं पर सर्वेक्षण			
2.40– 2.41	डीडीजी (एसडीआरडी) ने एमएसएमई के लिए उपलब्ध क्रेडिट लिंक्ड सुविधाओं संबंधी सर्वेक्षण पर एक प्रस्तुति दी। प्रस्तुति के मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं: i. एमएसएमई मंत्रालय ने शुरू से सर्वेक्षण कराने का फैसला किया।	स्वीकृत	सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए उपलब्ध क्रेडिट से जुड़ी सुविधाओं पर सर्वेक्षण को छोड़ दिया गया है ।

वार्षिक रिपोर्ट में संदर्भ पैरा सं.	संक्षिप्त में संस्तुतियां/टिप्पणियां/निर्णय	स्वीकृत किया गया या अस्वीकृत किया गया	यदि स्वीकृत किया गया तो की गई कार्रवाई और यदि अस्वीकृत किया गया तो इसके कारण
	ii. तदनुसार, 6 अप्रैल, 2021 को एमएसएमई मंत्रालय के अधिकारियों के साथ एक प्रारंभिक बैठक वर्चुअली आयोजित की गई जिसमें एसडीआरडी, डीक्यूएडी, एफओडी और एससीडी के अधिकारी भी मौजूद थे। बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया कि: ख. एमएसएमई मंत्रालय अपने उद्यम पंजीकरण पोर्टल में उपलब्ध 25 लाख इकाइयों की सूची साझा करेगा, जिसमें पता, पिनकोड, राज्य, जिला, संपर्क नंबर, पूंजी, संयंत्र और मशीनरी में निवेश, कारोबार, रोजगार आदि जैसे विवरण शामिल होंगे। ग. उन इकाइयों की सूची में से 1% (लगभग 25,000) का पता यादृच्छिक रूप से चुना जाएगा और डीक्यूएडी और एफओडी द्वारा टेलीफोन द्वारा सत्यापित किया जाएगा। iii. इस सर्वेक्षण पर वर्तमान स्थिति यह है कि 25 लाख एमएसएमई इकाइयों की सूची अभी भी एमएसएमई मंत्रालय से प्रतीक्षित है। एनएसओ (एसडीआरडी) ने दिनांक 6 अप्रैल, 2021 की बैठक में किए गए विचार-विमर्श के आधार पर एक संक्षिप्त कार्यक्रम तैयार किया है। हालांकि, इस संबंध में एमएसएमई मंत्रालय से कोई ओर सूचना प्राप्त नहीं हुई है। इस मामले पर विस्तृत विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया कि एमएसएमई के लिए उपलब्ध क्रेडिट लिंक सुविधाओं पर सर्वेक्षण के एजेंडा को हटा दिया जाए क्योंकि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय ने सर्वेक्षण के संचालन के लिए एनएसएस के साथ कोई		

वार्षिक रिपोर्ट में संदर्भ पैरा सं.	संक्षिप्त में संस्तुतियां/टिप्पणियां/निर्णय	स्वीकृत किया गया या अस्वीकृत किया गया	यदि स्वीकृत किया गया तो की गई कार्रवाई और यदि अस्वीकृत किया गया तो इसके कारण
	और आवश्यक संचार नहीं किया है।		
थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) के आधार वर्ष का वर्ष 2011-12 से वर्ष 2017-18 में संशोधन			
3.2 (i)	डीपीआईआईटी को यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि आधार वर्ष 2017-18 के साथ डब्ल्यूपीआई की संशोधित श्रृंखला शीघ्र ही जारी की जाय।	स्वीकृत	आधार पुनरीक्षण कार्य-प्रणाली को अंतिम रूप दिया गया है और नई श्रृंखलाओं के प्रकाशन के लिए आवश्यक आंकड़ा संग्रहण को पूरा किया गया है ।
3.2 (ii)	डब्ल्यूपीआई की संशोधित श्रृंखला में, कुछ बदलाव शामिल किए गए हैं । डब्ल्यूपीआई की नई श्रृंखला के लिए अपनाई गई कार्यप्रणाली को उपयोगकर्ताओं की सूचना के लिए डीपीआईआईटी की कार्यालयी वेबसाईट पर प्रकाशित करना चाहिए ।	स्वीकृत	नई श्रृंखलाओं से संबंधित अनुदेश पुस्तिका और अन्य विवरण नई श्रृंखला के प्रकाशन पर प्रसार के लिए तैयार हैं ।
3.2 (iii)	डब्ल्यूपीआई प्रणाली में यह भी सुनिश्चित किया जाए कि प्राथमिक मूल्य डेटा के संग्रहण के लिए दिशा-निर्देश और अनुदेश मौजूद हों और डेटा संग्रहण में शामिल कर्मचारी इस गतिविधि के लिए सामयिक प्रशिक्षित और उन्मुख हों ।	स्वीकृत	आर्थिक सलाहकार, डीपीआईआईटी कार्यालय क्षेत्रीय कर्मचारियों के नियमित प्रशिक्षण का संचालन करता है ।
3.2 (iv) क	जैसा कि वित्तीय वर्ष 2018-19 का डेटा जारी कर दिया गया है, क्या हम मध्य वर्ष 2017-18 को आधार वर्ष के रूप में मानने के लिए वित्तीय वर्ष 2016-17/2017-18/2018-19 का डेटा प्रयोग कर सकते हैं ।	स्वीकृत	नई श्रृंखलाओं का भार वर्ष 2016-17, 2017-18 और 2018-19 के वर्षत्रय औसत के आधार पर निकाला गया है ।
3.2 (iv) ख	जैसा कि नोटबंदी नवंबर, 2016 में अमल में लाई गई थी, क्या आधार वर्ष 2017-18 पर इसका कोई प्रभाव पड़ा है ?	स्वीकृत	बृहत्-अर्थशास्त्र सूचकांकों में कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं देखा गया है । वर्षत्रय औसत किसी प्रकार की अस्थिरता को हटाने के लिए लिया गया था ।

***